>

Title: Need to check the pollution in Damodar and Ganga rivers in Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): सभापति महोदय, झारखंड राज्य में खासकर हमारे लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में दामोदर नदी की स्थिति आज ऐसी हो गई है कि हिन्दुस्तान की सबसे ज़हरीली नदी में इसकी गिनती हो गई है। वहीं बोकारो जिला में गर्ग ऋषि ने जहां तपस्या की थी, उसके नाम पर गार्गी नदी है और उसकी स्थिति ऐसी हो गई है कि नदी का रूप उसे नहीं कहा जाएगा बल्कि वह नाला बन गई है। वहां पर लोगों को लैपरॉसी की बीमारी हो रही है और जितने भी वहां कल-कारखाने हैं जहां पर चाहे कोल इंडिया का हो या डीबीसी का हो या प्राइवेट सब्सिडियरी वाले हों, सारे लोग उसमें कचरा डाल रहे हैं जिससे कि वह नदी प्रदूषित हो रही है। वर्तमान में झारखंड हाईकोर्ट में भी इस बारे में एक पीआईएल दाखिल की गई और वहां पर भी मामला चल रहा है। वर्तमान में समय समय पर जो समाज के अग्रणी व्यक्ति हैं, वे लोग इस पर आंदोलन वगैरह भी करते हैं लेकिन जो भी सरकार की संस्थाएं हैं, जो सब्सिडियरी हैं, वे वहां पर कुछ भी करने के लिए तैयार नहीं हैं। आज इस नदी का पानी इतना जहरीला हो गया है कि मछलियां मर रही हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर झारखंड तक जो भी कलकारखाना है, उसका कचरा इसमें डाला जा रहा है। हमारा सरकार से आग्रह है कि कोई भी योजना बनाई जाए जिसके तहत इन दोनों नदियों की सफाई का काम करवाया जाए। नहीं तो आने वाले समय में नई पीढ़ी यही कहेगी कि हमारी धरोहर को समाप्त कर रहे हैं। खास तौर से सीसीएल और बीसीसीएल के क्षेत्र के बगल में वे कचरा गिरा रहे हैं जिसके कारण इसका पाट जो पहले नापने पर 100 फीट चौड़ा था 50 फीट रह गया है। मेरा सरकार से आग्रह है कि अविलंब इस पर कार्यवाही हो ताकि वहां के लोगों को लाभ मिले। दामोदर नदी और गरगा नदी झारखंड की जीवनरेखा है। धन्यवाद।